



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 121]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 21, 1984/चैत्र 1, 1906

No. 121] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 21, 1984/CHAITRA 1, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय
(खाद्य विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1984

का०आ० 175(अ):—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि कावेरी शुगर एण्ड कैमिकल्स लिमिटेड, कावेरी फैक्टरी जो तमिलनाडु राज्य के तिरुचिरापल्ली जिले में पेट्टावैयटाल्लई में चीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 190(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के क्रम में यह घोषित करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनमें भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्राप्त हुए या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और शायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्त को लागू किए जा सकते हैं, प्रवृत्त 28 मार्च, 1984 से 6 फरवरी, 1985 तक की और अवधि के लिए निरन्तरित रहेंगे।

[का०सं० 13-1/84 एन एस यू(ए)]

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Food)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 21st March 1984

S.O. 175(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Cauvery Sugar and Chemicals Limited, Cauvery Factory, manufacturing sugar at Pettaivaytalai in the district of Tiruchirapalli in the State of Tamil Nadu, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food No. S.O. 190(E), dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders

or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to second liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to 1st February, 1985.

[F. No. 13-1/84-NSU(A)]

का०आ० 176(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि अयोध्या शगर मिल्स, जो उत्तर प्रदेश राज्य के मुरादाबाद जिले में राजा का सहसपुर में चीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 191(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के क्रम में यह घोषित करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 1 दिसम्बर, 1984 तक की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा।

[फा०सं० 13-1/84-एन एस यू (सी)]

S.O. 176(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Ajudhia Sugar Mills, manufacturing sugar at Raja-ka-Sahaspur in the district of Muradabad in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No S.O. 191(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or

which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to the 1st December, 1984.

[F. No. 13-1/84-NSU(B)]

का० आ० 177(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि जीजामता सहकारी शक्कर कारखाना लिमिटेड, जो महाराष्ट्र राज्य के बुल्दाना जिले में शंकर नगर में चीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 192(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के क्रम में यह घोषित करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 12 दिसम्बर, 1984 तक की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा।

[सं० 13/1/84-एन एस यू (सी)]

S.O. 177(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Jijamata Sahkari Sakhar Karkhana Limited, Manufacturing sugar at Shankarnagar in the district of Buldana in the State of Maharashtra, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) N. S.O. 192(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to 12th December, 1984.

[F. No. 13-1/84-NSU(c)]

का०आ० 178(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि राय बहादुर नारायण सिंह शुगर मिल्स लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के सहारनपुर जिले में लक्सर में चीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 193(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के क्रम में यह घोषित करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं सम्पत्ति हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, संचाटों, स्थायी आवेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 1 फरवरी, 1985 तक की ओर अवधि के लिए निलम्बित रहेगा।

[सं० 13/1/84-एन एस यू-डी]

S.O. 178(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Rai Bahadur Narain Singh Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Laksar in the district of Saharnpur in the State of Uttar Pradesh being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No. S.O. 193(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to 1st February, 1985.

[F. No. 13-1/84-NSU(D)]

का०आ० 179(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि श्री सीताराम शुगर कंपनी लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिया जिले में बैतानपुर में चीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की

मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 194(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के क्रम में यह घोषित करती है कि 22 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति, हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, संचाटों, स्थायी आवेशों या अन्य लिखतों से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 26 दिसम्बर, 1984 तक की ओर अवधि के लिए निलम्बित रहेगा।

[सं० 13/1/84-एन एस यू-डी]

S.O. 179(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Shree Sitaram Sugar Company Limited, manufacturing sugar at Bhaitalpur in the district of Deoria in the State of Uttar Pradesh being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No. S.O. 149(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking of that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to the 26th December, 1984.

[F. No. 13-1/84-NSU(E)]

का०आ० 180(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि देवरिया चीनी मिल्स लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिया जिले में देवरिया में चीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 195(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के क्रम में यह घोषित करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त

ऐसी सभी संविदाओं सम्पत्ति, हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 26 दिसम्बर, 1985 तक की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा।

[सं० 13-1/84 एन०एस० यू०एफ]

S.O. 180(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Deoria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Deoria in the district of Deoria in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies, (Department of Food) N. S.O. 195(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to the 26th December, 1984.

[F. No. 13-1/84-NSU(F)]

का०आ० 181 (अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि सेक्सरिया चीनी मिल्स लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के गोंडा जिले में बबनान में चीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है ;

अतः केन्द्रीय सरकार चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय, (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 196(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के क्रम में यह घोषित करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति, हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च 1984 से 12 मार्च, 1985 तक की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा।

[सं० 13-1/84 एन०एस० यू०एफ]

S.O. 181(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Seksaria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Babhnan in the district of Gonda in the State of Uttar Pradesh being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No. S.O. 196(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreement, settlements, awards standing orders or other instruments in force, immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to 21st March, 1985.

[F. No. 13-1/84-NSU(G)]

का०आ० 182(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि केशोराय पाटन सहकारी शुगर मिल्स लिमिटेड, जो राजस्थान राज्य में बुन्दी जिले में केशोराय पाटन में चीनी का विनिर्माण कर रही है और जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में चीनी उद्योग के उत्पादन की मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण), अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 197(अ), तारीख 22 मार्च, 1983 के क्रम में यह घोषित करती है कि 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति, हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रत्याभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चीनी उपक्रम है या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1984 से 12 दिसम्बर, 1984 तक की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा।

[सं० 13-1/84-एन एस यू-एच]

एन० आर० बनर्जी, संयुक्त सचिव

S.O. 182(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Shri Keshoraipatan Sahkari Sugar Mills Limited, manufacturing

sugar at Keshoraipatan in the district of Bundi in the State of Rajasthan, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food) No. S.O. 197(E) dated the 22nd March, 1983, the Central Government hereby declares that the ope-

ration of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period from the 28th March, 1984 to the 12th December, 1984.

[F. No. 13-1/84-NSU(H)]

N. R. BANERJEE, Jt. Secy.

